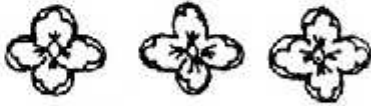
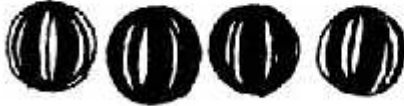
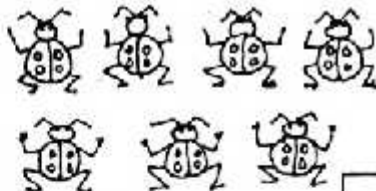
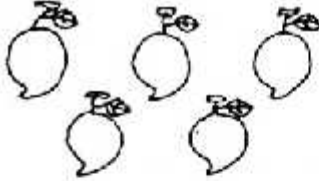
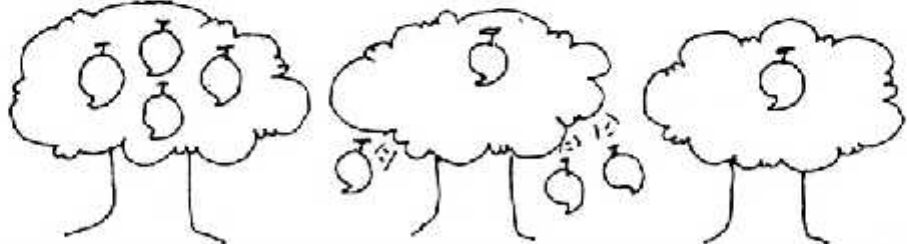


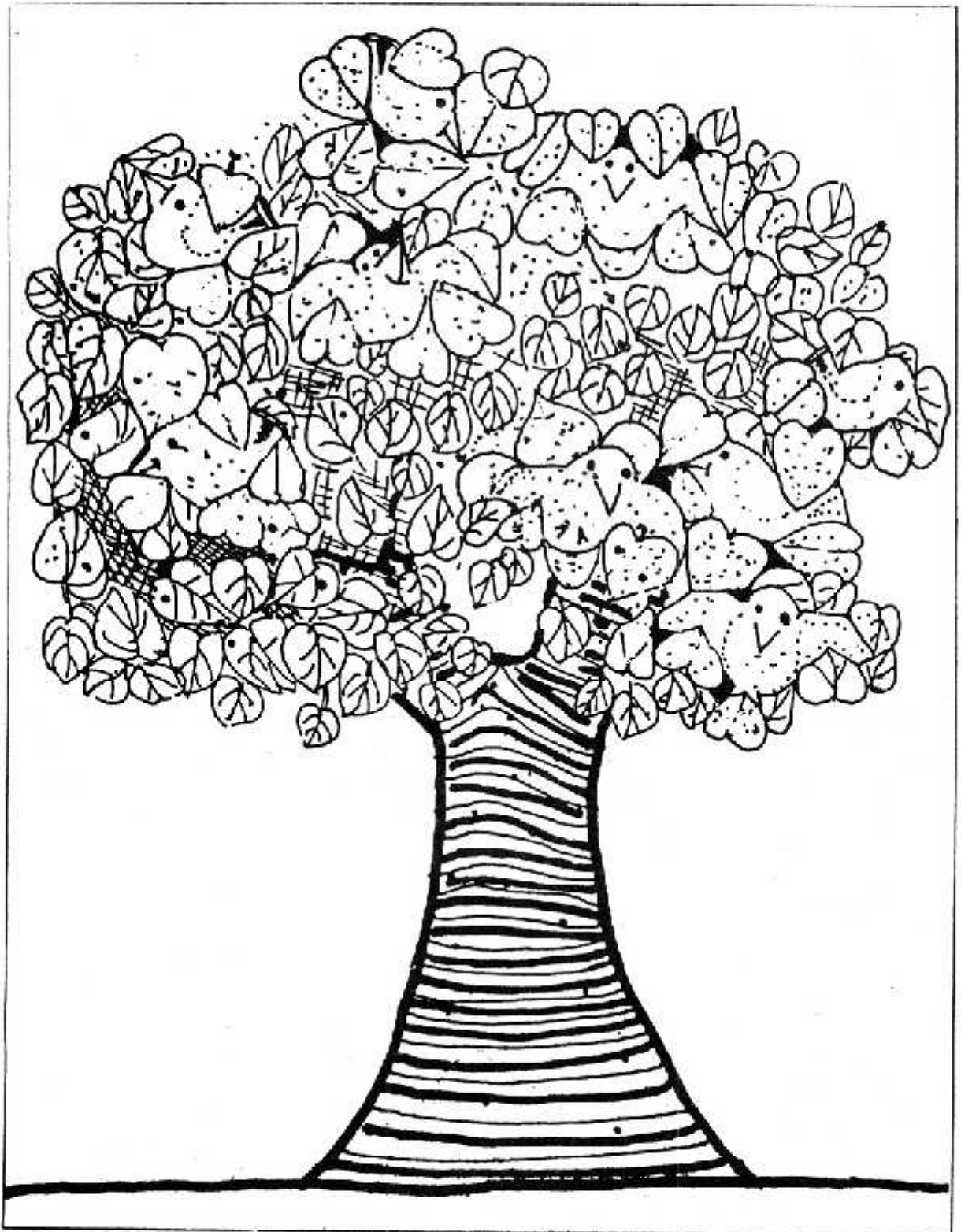


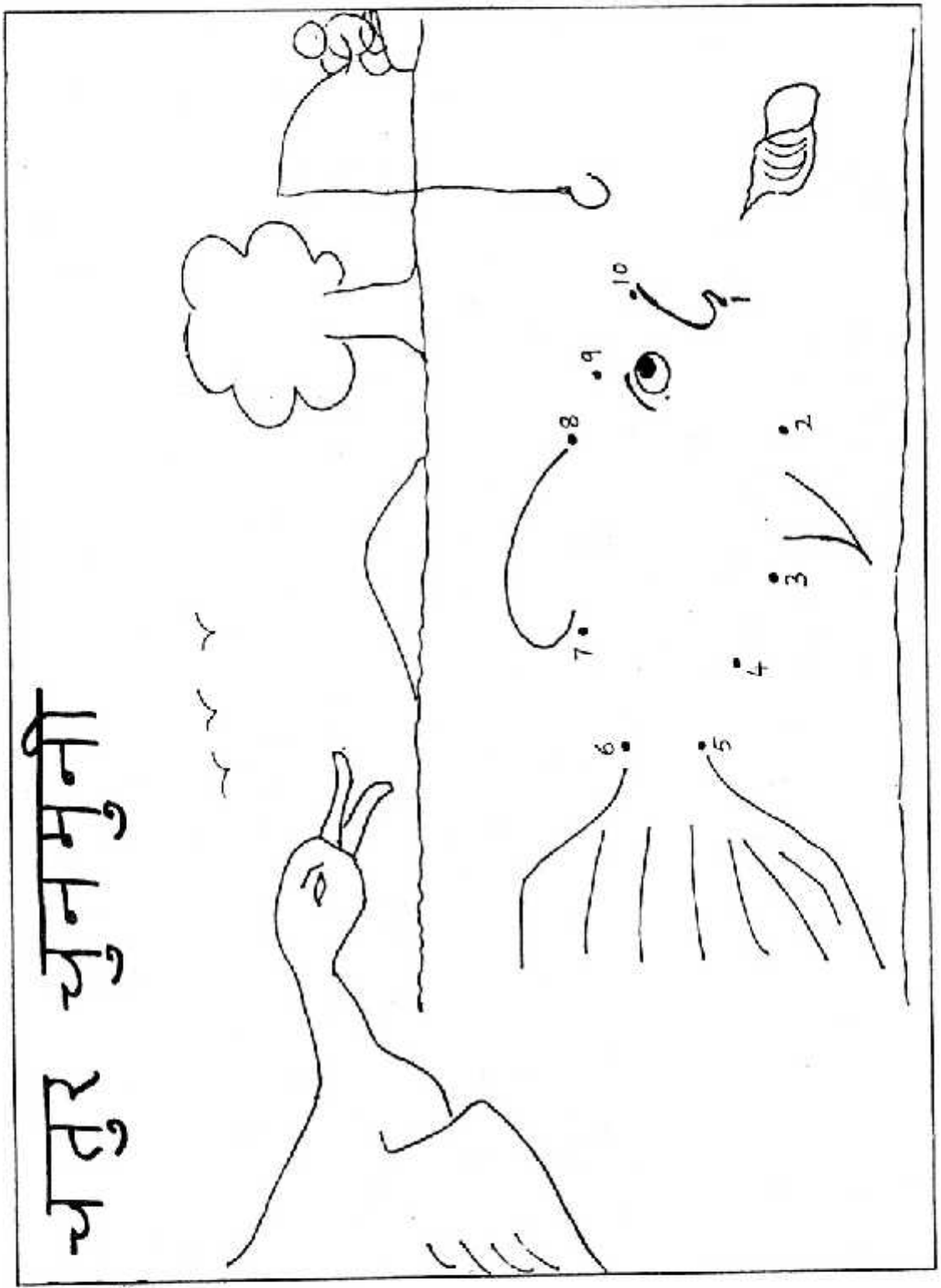
# रखो - निकालो

	
 <input data-bbox="763 871 828 934" type="checkbox"/>	 <input data-bbox="1282 871 1347 934" type="checkbox"/>

 <input data-bbox="1323 1207 1388 1270" type="checkbox"/>
 <input data-bbox="1323 1428 1388 1491" type="checkbox"/>
 <input data-bbox="1323 1701 1388 1764" type="checkbox"/>



# चतुर चुनमुनी



एक थी मधली। बहुत चंचल, बहुत चालाक। उसका नाम था चुनमुनी।

चुनमुनी दूसरी मधलियों से बहुत बड़ी थी। लेकिन छोटी मधलियों से उसकी खूब दोस्ती थी।

एक दिन सुबह चुनमुनी घूमने जा रही थी। तभी एक बड़ी सी बत्तख उसके पीछे पड़ गई। बत्तख ने अपनी चोंच खोलकर चुनमुनी को पकड़ने की कोशिश की

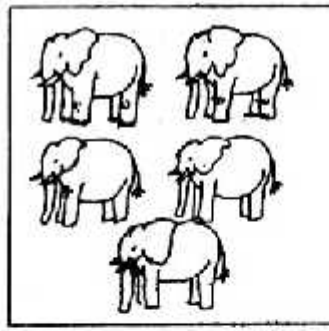
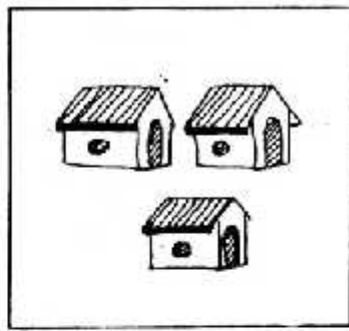
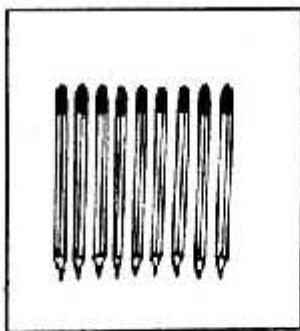
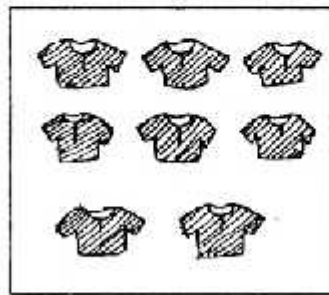
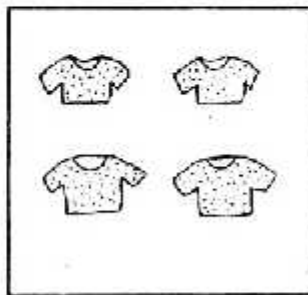
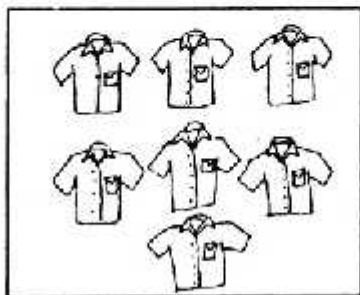
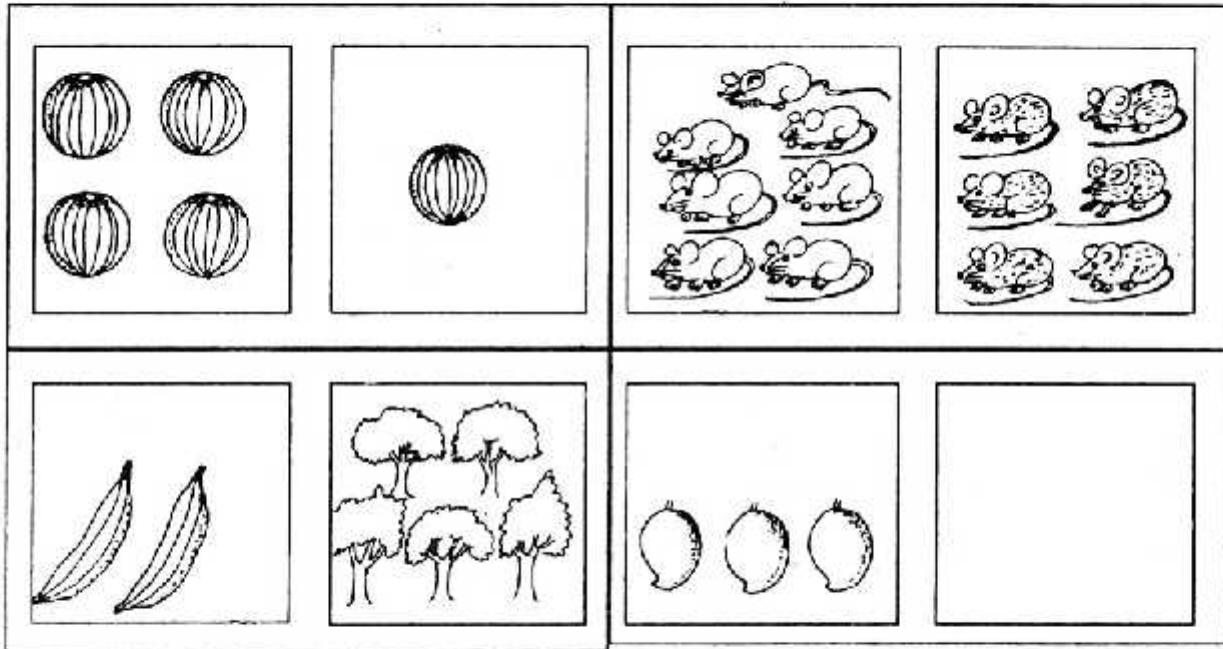
चुनमुनी भागी। भागते-भागते वह एक शंख के पास पहुँची। वहाँ एक गल टंगा हुआ था। एक लड़के ने छोटी मधलियों को पकड़ने के लिए गल टंगा था।

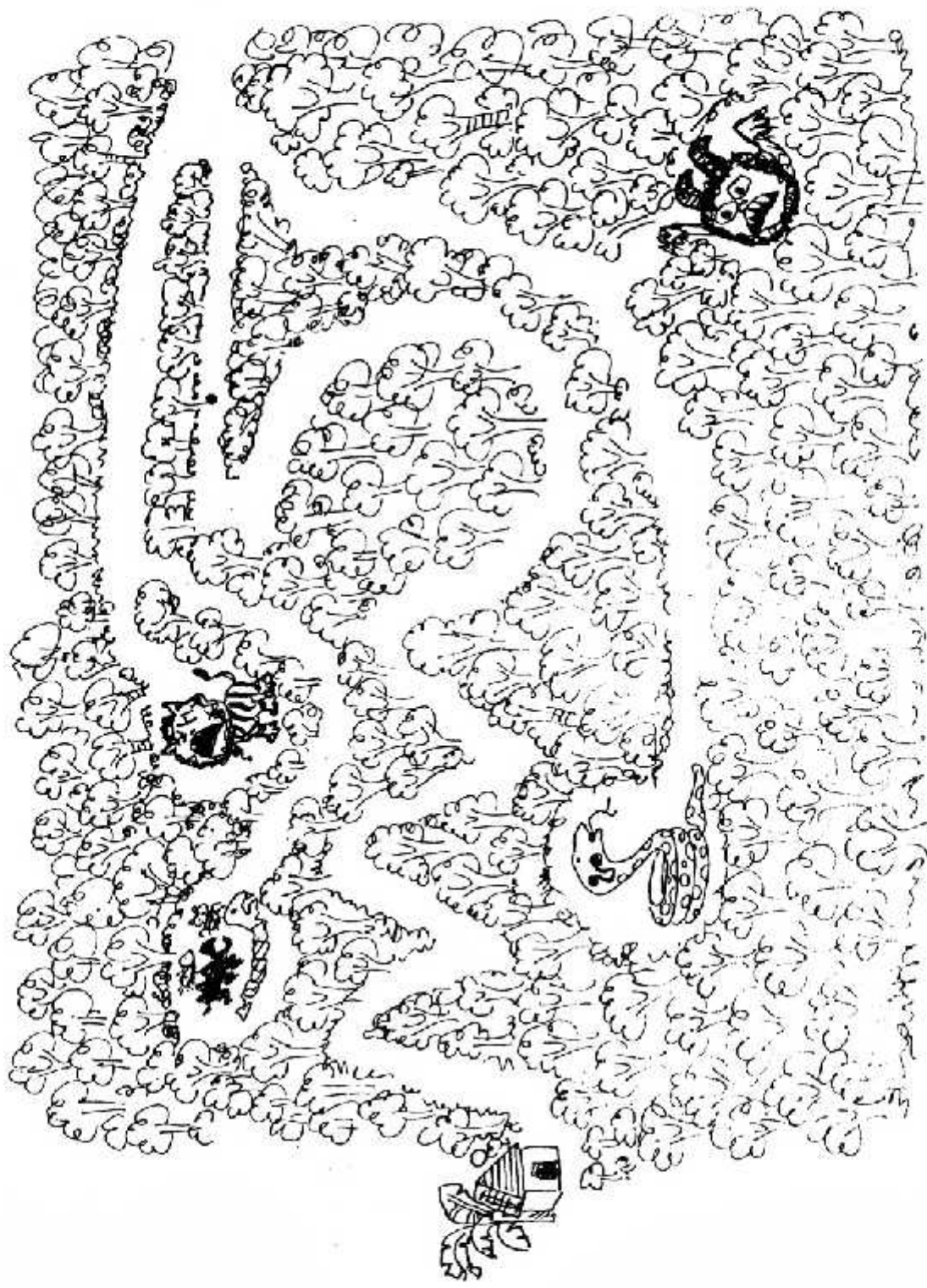
इधर चुनमुनी को बत्तख से बचना था। और उधर छोटी मधलियों को भी बचना था। चुनमुनी ने झट से शंख की गल में फंसा दिया।

लड़के ने सोचा कि मधली पकड़ में आ गई है। उसने जैसे ही गल को खिंचा, वह शंख के भार से टूट गया।

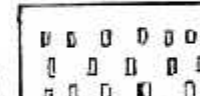
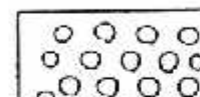
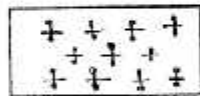
पर चुनमुनी पर अभी भी आफत थी। क्योंकि बत्तख उसके पीछे पड़ी हुई थी। अब सोचो, चुनमुनी बत्तख से कैसे बची होगी?

# बोलो भई कितने...?





# कितने कितने



48

11

12

13

14

15

16

17

18

19

